EDII

Rajasthan Patrika

June 28, 2022
Page No.02

पत्रिका समूह के साथ 500 से अधिक महिला उद्यमियों को दिया है प्रशिक्षण

महिला उद्यमियों के लिए विशेष पहल कर रहा है ईडीआईआई

अहमदाबाद @ पत्रिका. देश की तरक्की में महिलाओं का योगदान बहुत जरूरी है। इसके लिए सरकारें भी प्रयास कर रही हैं। महिला उद्यमिता को नई उड़ान देने का काम भी भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान (ईडीआईआई) बीते 40 वर्षों से कर रहा है। ईडीआईआई के अधिकांश प्रोग्राम महिला केंद्रित होते हैं। फोर्ब्स इंडिया की एक रिपोर्ट के अनुसार, भारत में केवल 13.76 प्रतिशत महिला उद्यमी हैं और 13 प्रतिशत से भी कम छोटे व्यवसाय चलाती हैं। यह कहना है ईडीआईआई के महानिदेशक डॉ. सुनील शुक्ला का।

डॉ. शुक्ला ने बताया कि कोरोना से महिलाओं की स्थिति में और गिरावट आई है। लेकिन जहां महिला उद्यमी हैं, उनका सम्मान बढ़ा है। ईडीआईआई ने महिला उद्यमिता विकास और कौशल निर्माण में विशेष पाठ्यक्रम तैयार किए हैं, ताकि महिलाएं उद्यमी उन्हें आसानी से समझ और सीख सकें।

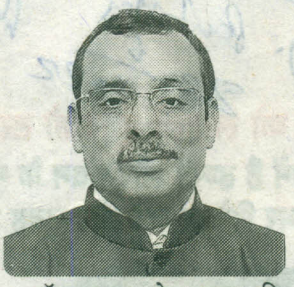

डॉ. शुक्ला ने बताया कि ईडीआईआई ने एक प्रभावशाली पहल की है। बिजनेस बूस्टर जो पत्रिका समूह और ईडीआईआई, अहमदाबाद की संयुक्त पहल है। इसके तहत 500 से अधिक महिलाओं को निः शुल्क प्रशिक्षण दिया गया है। महिला उद्यमियों को बिजनेस मैनेजमेंट, मार्केटिंग, प्रोडक्ट सेलिंग एवं सोशल मीडिया प्रमोशन आदि का प्रशिक्षण दिया गया है। इसमें अधिकांश महिला ग्रामीण परिवेश की थीं।

डॉ. शुक्ला ने बताया कि दो वर्षों के दौरान, 22 उद्यमिता जागरूकता शिविरों (ईएसी) के माध्यम से 1145 महिलाओं को जागरुक किया गया है और 12 विशिष्ट रूप से निर्मित महिला उद्यमिता विकास कार्यक्रमों (डब्ल्यूईडीपी) के माध्यम से 342 महिला उम्मीदवारों को प्रशिक्षित किया गया है। इन महिला उद्यमियों की मदद से 232 रोजगार के अवसर बने हैं। इनके साथ ही ईडीआईआई महिला एंटरप्रेन्योरशिप के सभी सरकारी योजनाओं पर काम कर रहा है।

41,336 महिला उद्यमी शामिल

ईडीआईआई, ग्रामीण विकास मंत्रालय के स्टार्टअप विलेज एंटरप्रेन्योरशिप प्रोग्राम (एसवीईपी) के तहत 15 राज्यों में 80 ब्लॉकों तक पहुंची हुई है, जो ग्रामीण क्षेत्रों में छोटे उद्यम स्थापित करने में स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) के सदस्यों की मदद कर रही है। इस परियोजना में 41,386 महिला उद्यमी जुड़ी हैं।